भारतीय वन और लकड़ी प्रमाणन योजना

प्रलिम्सि के लयि:

भारतीय वन और लकड़ी प्रमाणन योजना, संरक्षण, वन संसाधन, वनों की कटाई, क्रेडटि प्रोग्राम (GCP) **और इकोमार्क योजना**

मेन्स के लयि:

भारतीय वन और लकड़ी प्रमाणन योजना, वन संसाधन, संरक्षण

स्रोत: पी. आई. बी

चर्चा में क्यों?

हाल ही में पर्यावरण, वन और जलवायु परविर्तन मंत्रालय (MoEFCC) ने भारतीय वन एवं लकड़ी प्रमाणन योजना (Indian Forest & Wood Certification Scheme- IFWCS) शुरू की है। यह राष्ट्रीय वन प्रमाणन योजना देश में स्थायी वन प्रबंधन और कृषिवानिकी को प्रोत्साहन प्रदान करने के लयि स्वैच्छकि तृतीय-पक्ष प्रमाणीकरण प्रदान करती है।

भारतीय वन एवं लकड़ी प्रमाणन योजना (IFWCS) क्या है?

- **उद्देश्य:**
  - IFWCS का लक्ष्य **भारत में काम कर रही निजी वदिेशी प्रमाणन एजेंसियों के लयि** एक वकिल्प प्रदान करना है। यह स्थायी वन प्रबंधन और लकड़ी-आधारति उत्पादों को प्रमाणति करने में अधकि अखंडता, पारदर्शति तथा वश्विसनीयता सुनश्चिति करना चाहता है।
- **प्रमाणन का दायरा:**
  - इस योजना में **प्रमाणन के लयि तीन मुख्य क्षेत्र शामलि हैं**:
    - सतत् वन प्रबंधन.
    - वनों के बाहर पेड़ों का स्थायी प्रबंधन (जैसे वृक्षारोपण)।
    - हरिासत की शृंखला, जो उनकी आपूर्ति शृंखला में वन उत्पादों की ट्रेसबलिटिी की गारंटी देती है, नैतकि सोर्सगि और हैंडलगि सुनश्चिति करती है।
- **नोडल एजेंसियाँ:**
  - इस योजना की देख-रेख **भारतीय वन और लकड़ी प्रमाणन परषिद द्वारा** की जाएगी, जो एक बहुहतिधारक सलाहकार नकिाय के रूप में कार्य करेगी।
  - **भारतीय वन प्रबंधन संस्थान, भोपाल योजना** संचालन एजेंसी के रूप में कार्य करेगा और योजना के समग्र प्रबंधन के लयि ज़मि्मेदार होगा।
  - भारतीय गुणवत्ता परषिद के अधीन **प्रमाणन नकिायों के लयि राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड** प्रमाणन नकिायों को मान्यता देगा जो स्वतंत्र ऑडटि करेगा तथा योजना के तहत नर्धिारति मानकों पर वभिन्नि संस्थाओं के पालन का आकलन करेगा।
- **वनों के बाहर एक अन्य पेड़ मानक**:
  - वनों के बाहर एक अलग पेड़ मानक, अब नई शुरू की गई भारतीय वन और लकड़ी प्रमाणन योजना के एक भाग के रूप में **पेश कयिा गया है**।
    - 'वनों के बाहर के पेड़' का अर्थ रकिॉर्ड कयिे गए तथा अधसिूचति वनों के बाहर, व्यक्तगित कसिानों अथवा छोटे कसिानों के समूह की कृषि भूमि अथवा संस्थानों एवं उद्योगों की निजी भूमि पर वृक्षारोपण क्षेत्र इत्यादि में उगने वाले वृक्षों से हैं जसिमें बाड़ (Hedge) व मेड़ों पर लगे सभी पेड़, **कृषिवानिकी, सल्वि-पशुपालन, शहरी एवं ग्रामीण वानिकी प्रणालियों तथा ब्लॉक वृक्षारोपण के वभिन्नि मॉडलों में उगाए गए पेड़** भी शामलि हैं।
- **लाभ:**
  - इस प्रमाणन से **वन प्रबंधन तथा लकड़ी-आधारति उत्पादों से संबंधति प्रक्रयिाओं में वश्विास तथा पारदर्शति** बढ़ने की उम्मीद है।
  - IFWCS, उत्तरदायी संचालन वाले वन प्रबंधन तथा कृषि वानिकी प्रथाओं का पालन करने वाली **वभिन्नि संस्थाओं को बाज़ार प्रोत्साहन** प्रदान कर सकता है।
  - इसमें राज्य वन वभिाग, व्यक्तगित कसिान अथवा कृषिवानिकी एवं फार्म वानिकी में संलग्न कसिान उत्पादक संगठन और साथ ही अन्य

लकड़ी-आधारित उद्योग शामिल हैं।

- **वैश्विक संदर्भ:**
    - IFWCS का शुभारंभ वनों की कटाई की चिंताओं को दूर करने के वैश्विक प्रयासों के अनुरूप है। इस योजना का उद्देश्य वर्ष **2021 में आयोजित ग्लासगो जलवायु परिवर्तन सम्मेलन** में 100 से अधिक देशों द्वारा वर्ष 2030 तक वनोन्मूलन रोकने तथा वृक्षारोपण करने की प्रतिज्ञा के अनुरूप है।

वन प्रबंधन से संबंधित अन्य हालिया घोषणाएँ क्या हैं?

- **राष्ट्रीय कार्य योजना संहिता, 2023:**
    - MoEFCC ने जुलाई 2023 में वनों के वैज्ञानिक प्रबंधन और नए दृष्टिकोण विकसित करने के लिये **"राष्ट्रीय कार्य योजना संहिता-2023"** जारी की है।
        - राष्ट्रीय कार्य योजना संहिता, **जिसे पहली बार 2004 में अपनाया गया था** , बाद में 2014 में संशोधन के साथ एकरूपता लाई गई और हमारे देश के विभिन्न वन प्रभागों के **वैज्ञानिक प्रबंधन के लिये कार्य योजना की तैयारी के लिये मार्गदर्शक सिद्धांत** के रूप में कार्य किया गया।
        - **"भारतीय वन प्रबंधन मानक (IFMS)"** जो इस कोड का एक हिस्सा है, प्रबंधन में एकरूपता लाने का प्रयास करते हुए हमारे देश में विविध वन पारिस्थितिकी तंत्र को ध्यान में रखता है।
- ग्रीन क्रेडिट प्रोग्राम (GCP) **और इकोमार्क योजना:**
    - **पर्यावरण के लिये 'जीवन शैली' (LiFE) आंदोलन** के तहत MoEFCC ने अक्तूबर 2023 में GCP और इकोमार्क योजना शुरू की है।
        - **GCP** एक अभिनव बाज़ार-आधारित तंत्र है जिसे व्यक्तियों, समुदायों, निजी क्षेत्र के उद्योगों जैसे विभिन्न हितधारकों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में **स्वैच्छिक पर्यावरणीय कार्यों को प्रोत्साहित** करने के लिये डिज़ाइन किया गया है। **भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद (ICFRE) कार्यक्रम** कार्यान्वयन, प्रबंधन, निगरानी एवं संचालन के लिये ज़िम्मेदार **GCP प्रशासक के रूप में कार्य** करता है।
        - **इकोमार्क योजना** घरेलू और उपभोक्ता उत्पादों के लिये मान्यता तथा लेबलिंग प्रदान करती है जो भारतीय मानदंडों के अनुसार गुणवत्ता मानकों को बनाए रखते हुए **विशिष्ट पर्यावरणीय मानदंडों** को पूरा करते हैं।
            - **केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भारतीय मानक ब्यूरो (BIS)** के साथ साझेदारी में इकोमार्क योजना का संचालन करता है जो मानकों और प्रमाणन के लिये राष्ट्रीय निकाय है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/indian-forest-and-wood-certification-scheme